24 दिसंबर, 2021 करेंट अफेयर्स

1. नीति आयोग- खाद्य उत्पादों में विविधता लाने के लिए संयुक्त राष्ट्र WFP समझौता:

नीति आयोग और संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (UN WFP), खाद्य उत्पादों में विविधता लाने के लिए सहमत हुए हैं। दोनों संगठनों ने हाल ही में एक "स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट" पर हस्ताक्षर किए।

प्रमुख बिंदु:

- नीति आयोग और संयुक्त राष्ट्र WFP के बीच हुई साझेदारी, बाजरे को मुख्यधारा में लाने पर केंद्रित है और 2023 को "अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष" के रूप में मान्यता दिलाने के साथ-साथ, इसके ज्ञान के आदान-प्रदान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने में भारत का समर्थन करेगी।
- इस साझेदारी का उद्देश्य छोटे किसानों के लिए लचीली आजीविका और जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ खाद्य प्रणालियों को बदलने के लिए अनुकूलन क्षमता का निर्माण करना है।

- भारत भर में खाद्य और पोषण सुरक्षा में वृद्धि के लिए जलवायु अनुकूल कृषि को मजबूत करने के लिए, "स्टेटमेंट ऑफ इंटेंट" दोनों पक्षों के बीच रणनीतिक और तकनीकी सहयोग पर केंद्रित है।

बाजरे का राष्ट्रीय वर्ष:

- भारत सरकार ने बाजरा उत्पादन को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए 2018 को "बाजरा वर्ष" के रूप में मनाया था।
- भारत सरकार ने 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में घोषित करने के लिए यूएनजीए के प्रस्ताव का भी नेतृत्व किया।

बाजरे को बढ़ावा देने के लिए सरकारों ने कई कदम उठाए हैं:

- उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना।
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के साथ पोषक अनाज का एकीकरण और
- अनेक राज्यों में बाजरा मिशन की स्थापना।
- इन कदमों के बावजूद, उपभोक्ताओं के बीच उत्पादन, वितरण और अनुकूलन क्षमता के मामले में कई चुनौतियाँ अभी भी हैं।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

इन चुनौतियों से लड़ने के लिए क्या किया जा सकता है?

- वितरण प्रणाली के अंतर्गत, खाद्य वितरण कार्यक्रमों का ध्यान 'कैलोरी पर पूरा ध्यान केन्द्रित न कर "अधिक विविध "खाद्य टोकरी" प्रदान करने की आवश्यकता है, जैसे कि जो बच्चे अभी विद्यालय जाने के भी योग्य नहीं हैं अर्थात् उनकी आयु काफी

कम है और गर्भवती महिलाओं के बीच पोषण की स्थिति में सुधार के लिए मोटे अनाज और बाजरा प्रदान करना।

- नीति आयोग और WFP के बीच हुई यह साझेदारी इन चुनौतियों को प्रभावी तरीके से पहचानने और उनका समाधान करने के लिए प्रयासरत है।

आगे का मार्ग:

नीति आयोग और UN WFP संयुक्त रूप से निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन करेंगे:

- बाजरे से सम्बंधित अच्छी प्रथाओं के संग्रह का संयुक्त विकास।
- राज्य सरकारों, आईआईएमआर और अन्य संबद्ध संस्थानों की मदद से चुनिंदा राज्यों में गहन जुड़ाव के माध्यम से बाजरा को मुख्यधारा में लाने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करना।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

2. 'कृत्रिम सूर्य': चीन का नवीनतम प्रयोग

चीन ने हाल ही में अपने "कृत्रिम सूर्य" की परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए परमाणु संलयन प्रयोग किया।

प्रमुख बिंदु:

- एक्सपेरिमेन्टल एडवान्सड सुपरकंडक्टिंग टोकामक

OleXPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

(ईएएसटी) हीटिंग सिस्टम को दिसंबर 2021 में हेफ़ेई भौतिक विज्ञान संस्थान द्वारा बंद कर दिया गया था।

- कृत्रिम सूरज या सहायक हीटिंग सिस्टम को 'गर्म और अधिक टिकाऊ' बनाने के उद्देश्य से ईस्ट हीटिंग सिस्टम प्रयोग किया गया था।
- चीन ने एक बड़े डोनट के आकार की स्थापना पर लगभग 6 बिलियन युआन खर्च किए, जिसे टोकामैक कहा जाता है।
- टोकामक, हाइड्रोजन आइसोटोप को प्लाज्मा में उबालने के लिए अत्यधिक उच्च तापमान का उपयोग करता है और फिर ऊर्जा उत्सर्जित करने के लिए उन्हें एक साथ फ्यूज करता है।
- यदि उत्सर्जित की गई ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है, तो इसके लिए केवल थोड़ी मात्रा में ईंधन की आवश्यकता होगी और वस्तुतः कोई रेडियोधर्मी अपशिष्ट नहीं बनेगा।

पृष्ठभूमि:

- EAST प्रणाली, परमाणु संलयन की प्रक्रिया को दोहराती है, जो 2006 में चालू हो गई थी।
- इस प्रयोग ने जून 2021 में 160 मिलियन डिग्री सेल्सियस के तापमान पर पहुंचकर एक रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो सूर्य से दस गुना अधिक गर्म था।
- एक्सपेरिमेन्टल एडवान्सड सुपरकंडक्टिंग टोकामक (पूर्व) के बारे में
- ईएएसटी हेफ़ेई, चीन में स्थित एक सुपरकंडक्टिंग टोकामक चुंबकीय संलयन ऊर्जा रिएक्टर है। चीनी विज्ञान अकादमी के

लिए हेफ़ेई भौतिक विज्ञान संस्थान द्वारा प्रयोग किए जा रहे हैं। यह 2006 से संचालित है। ईएएसटी पहला टोकामक है, जो सुपरकंडक्टिंग टॉरॉयडल और पोलोइडल मैग्नेट को नियोजित करता है। प्रयोग 1000 सेकंड तक के प्लाज्मा दालों के लिए लक्षित है।

ईस्ट प्रोजेक्ट कब विकसित किया गया था?

- EAST प्रयोग ने चीन के पहले सुपरकंडक्टिंग टोकामक उपकरण का अनुसरण किया, जिसे HT-7 कहा जाता है।
- इसे 1990 के दशक में रूस के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ प्लाज्मा फिजिक्स द्वारा बनाया गया था।
- यह परियोजना 1996 में प्रस्तावित की गई थी जबकि 1998 में इसे स्वीकृति प्राप्त हुई थी।
- इसका निर्माण मार्च 2006 में पूरा हुआ था। पहला प्लाज्मा सितंबर 2006 में प्राप्त किया गया था।

आईटीईआर परियोजना:

- चीन भी आईटीईआर परियोजना का सदस्य है। यह सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसके लिए 35 देशों ने सहयोग किया है। यह परियोजना फ्रांस में विकसित की जा रही है।
- इस परियोजना के अंतर्गत देश, दुनिया के सबसे बड़े टोकामक का निर्माण कर रहे हैं।
- टोकामक, एक चुंबकीय संलयन उपकरण है, जिसे ऊर्जा के बड़े पैमाने पर और कार्बन मुक्त स्रोत के रूप में संलयन की व्यवहार्यता को साबित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

यह उसी सिद्धांत पर आधारित है जो सूर्य और तारों को शक्ति प्रदान करता है।

3. सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल 'प्रलय' का उड़ान परीक्षण:

हाल ही में, कम दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली "प्रलय मिसाइल" की पहली सफल परीक्षण उड़ान का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु:

- प्रलय बैलिस्टिक मिसाइल का ओडिशा के तट से दूर डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से उड़ान परीक्षण किया गया था।
- इस मिसाइल ने वांछित अर्ध-बैलिस्टिक प्रक्षेपवक्र का अनुसरण किया और उच्च-कोटि की सटीकता के साथ निर्दिष्ट लक्ष्य तक पहुंच गई।
- इस प्रकार, नियंत्रण, मार्गदर्शन और मिशन के एल्गोरिदम को सही साबित किया।

प्रलय के बारे में:

- प्रलय, सतह से सतह पर मार करने वाली, कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल (SRBM), एक कनस्तरीकृत मिसाइल है।

- इसे डीआरडीओ ने युद्ध के मैदान में इस्तेमाल के लिए विकसित किया है। यह मिसाइल, एक्सोएटमॉस्फेरिक इंटरसेप्टर मिसाइल पृथ्वी डिफेंस व्हीकल (पीडीवी) और प्रहार टैक्टिकल मिसाइल के लिए विकसित प्रौद्योगिकियों का समामेलन है।
- मार्च 2015 में, 332.88 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ प्रलय को विकसित करने की परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

प्रलय की विशेषताएं:

- प्रलय लगभग 10 मीटर या उससे कम की सटीकता के साथ 150 से 500 किलोमीटर की दूरी पर लक्ष्य को मार सकता है।
- इसे मोबाइल लॉन्चर से भी लॉन्च किया जा सकता है।
- इसमें एक मार्गदर्शन प्रणाली है, जिसमें अत्याधुनिक नेविगेशन तंत्र और एकीकृत एवियोनिक्स शामिल हैं।
- यह एक ठोस ईंधन मिसाइल है, जो अर्ध-बैलिस्टिक प्रक्षेपवक्र का अनुसरण करती है।
- यह मिसाइल, एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल (ABM) इंटरसेप्टर को हराने के लिए मैन्युवेरेबल रीएंट्री व्हीकल (MaRV) का उपयोग करके वायु में युद्धाभ्यास करने में सक्षम है।
- यह 350 किलोग्राम से 700 किलोग्राम उच्च विस्फोटक प्रीफॉर्मेड विखंडन वारहेड, रनवे डेनियल पेनेट्रेशन सब मुनिशन (आरडीपीएस) और पेनेट्रेशन-कम-ब्लास्ट (पीसीबी) ले जा सकता है।

Ole XPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

पृष्ठभूमि:

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने 2015 के आसपास इस परियोजना को विकसित करना आरम्भ किया। मिसाइल को बाद में प्रलय नाम दिया गया।

क्या है बैलिस्टिक मिसाइल?

- बैलिस्टिक मिसाइल एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य पर एक या अधिक आयुध पहुंचाने के लिए बैलिस्टिक प्रक्षेपवक्र का अनुसरण करती है।
- बैलिस्टिक हथियारों को केवल अपेक्षाकृत संक्षिप्त अवधि के दौरान निर्देशित किया जाता है।
- कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें पृथ्वी के वायुमंडल में रहती हैं।
- दूसरी ओर, अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) एक उप-कक्षीय प्रक्षेपवक्र पर लॉन्च की जाती हैं।

ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

4. केरल की सिल्वरलाइन परियोजना का विरोध क्यों हो रहा है?

कई राजनीतिक दल और नागरिक संगठन जैसे के-रेल सिल्वरलाइन विरुद्ध जानकी समिति "केरल की सिल्वरलाइन परियोजना" का विरोध कर रहे हैं।

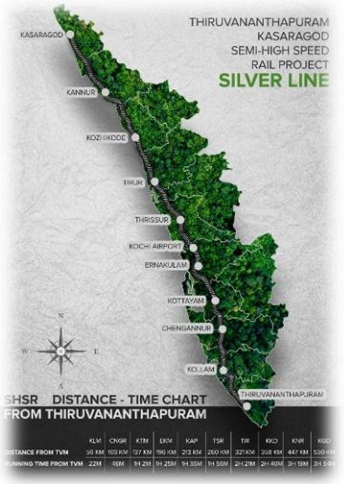

इस परियोजना का विरोध क्यों किया जा रहा है?

* सांसदों ने परियोजना के विरुद्ध एक याचिका पर हस्ताक्षर करते हुए कहा कि, "खगोलीय घोटाला चल रहा था" और यह राज्य को और कर्ज में डुबा देगा।
* इसके अलावा, पर्यावरणविदों का विचार है कि, इस परियोजना से पर्यावरण को बहुत नुकसान होगा क्योंकि इसका मार्ग आर्द्रभूमि, धान के खेतों और पहाड़ियों से होकर गुजरता है।

सिल्वरलाइन परियोजना क्या है?

* सिल्वरलाइन परियोजना एक सेमी हाई स्पीड रेलवे परियोजना है।
* इसमें केरल के उत्तरी और दक्षिणी छोर के बीच 200 किमी/घंटा की रफ्तार से चलने वाली ट्रेनों की परिकल्पना की गई है।
* परियोजना की कुल अनुमानित लागत 63,940 करोड़ रुपये है। प्रस्तावित रेल-लिंक लगभग 529.45 किलोमीटर का है और यह तिरुवनंतपुरम को कासरगोड से जोड़ेगा।
* यह 11 स्टेशनों के माध्यम से 11 जिलों को कवर करेगा। 200 किमी/घंटे की चाल से कासरगोड से तिरुवनंतपुरम के बीच यात्रा का समय 12 घंटे से घटकर चार घंटे से भी कम हो जाएगा।

कार्यकारी प्राधिकरण और समय सीमा:

* यह परियोजना "केरल रेल विकास निगम लिमिटेड (केआरडीसीएल)" द्वारा निष्पादित की जा रही है।
* यह परियोजना केरल सरकार और केंद्रीय रेल मंत्रालय का एक संयुक्त उद्यम है।

- इस परियोजना के निष्पादन की समय सीमा 2025 है।

सिल्वरलाइन परियोजना का महत्व:

- कई शहरी नीति विशेषज्ञ चिंता जताते हैं कि केरल में वर्तमान रेलवे बुनियादी ढांचा भविष्य की मांगों को पूरा करने में सक्षम नहीं होगा।
- वर्तमान खंड पर वक्र और मोड़ के कारण अधिकतर ट्रेनें 45 किमी/घंटा की औसत गति से चलती हैं।
- यह सरकार सिल्वरलाइन परियोजना पर कार्य कर रही है, जो मौजूदा खंड से यातायात का एक महत्वपूर्ण भार उठा सकती है और यात्रियों के लिए यात्रा को तेज कर सकती है।
- इसके अलावा, यह परियोजना ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को भी कम करेगी, रोजगार के अवसर पैदा करेगी और रो-रो सेवाओं के विस्तार में मदद करेगी, हवाई अड्डों और आईटी कॉरिडोर को एकीकृत करेगी और साथ ही उन शहरों में तेजी से विकास को सक्षम करेगी जहां से यह गुजरती है।

इस परियोजना की विशेषताएं:

- इस परियोजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (ईएमयू) प्रकार की ट्रेनें चलेंगी। प्रत्येक ट्रेन में अधिमानतः नौ कारें होंगी जिन्हें 12 तक बढ़ाया जा सकता है।
- व्यापार और मानक वर्ग सेटिंग्स में 9-कार 675 यात्रियों को ले जा सकती हैं।
- मानक गेज ट्रैक पर ट्रेनें 220 किमी/घंटा की अधिकतम गति से चलेंगी।

5. अमेरिका द्वारा अधिकृत पहला घरेलू कोविड -19 उपचार क्या है?

हाल ही में, अमेरिकी स्वास्थ्य नियामकों ने कोविड -19 के विरुद्ध पहली डोज (फाइजर की एक दवा) को अधिकृत किया।

प्रमुख बिंदु:

- कोविड -19 के सबसे बुरे प्रभावों को दूर करने के लिए लोग घर पर फाइजर दवा ले सकेंगे।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में ओमीक्रोन संस्करण के कारण अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में और होने वाली मौतों में वृद्धि को देखते हुए फाइजर दवा को मंजूरी दी गई थी।

फाइजर दवा के बारे में: Paxlovid

- Paxlovid नामक दवा जल्दी, Covid-19 संक्रमण के इलाज का एक तेज़ और सस्ता तरीका है। Nirmatrelvir दवा, Paxlovid ब्रांड नाम से बेची जाती है।
- इस एंटीवायरल दवा को फाइजर ने बनाया है। यह मौखिक रूप से सक्रिय 3CL प्रोटीज अवरोधक के रूप में कार्य करता है।

OleXPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

Ole XPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

- हाल ही में COVID-19 बीमारी के इलाज के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) द्वारा दवा को आपातकालीन उपयोग प्राधिकरण दिया गया था।
- यह COVID-19 के प्री-एक्सपोज़र या पोस्ट-एक्सपोज़र रोकथाम के लिए अधिकृत नहीं है। इसका उपयोग उन लोगों में उपचार शुरू करने के लिए भी किया जा सकता है, जिन्हें गंभीर COVID-19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है।

इस दवा का उपयोग कौन कर सकता है?

- एफडीए ने फाइजर की दवा को 12 वर्ष और उससे अधिक आयु के वयस्कों और बच्चों के लिए अधिकृत किया है, जिन्हें कोविड -19 के साथ सकारात्मक परीक्षण किया गया है।
- प्रारंभिक लक्षण और अस्पताल में भर्ती होने के उच्चतम जोखिम वाले लोग इस दवा का उपयोग कर सकते हैं।
- दवा के लिए पात्र बच्चों का वजन कम से कम 40 किलोग्राम होना चाहिए। प्रिस्क्रिप्शन लेने के लिए मरीजों को एक सकारात्मक कोविड -19 परीक्षण की आवश्यकता होगी।

Paxlovid की प्रभाविता:

Paxlovid प्रभावी साबित हुआ है, जब लक्षणों के प्रकट होने के पांच दिनों के भीतर प्रदान किया गया।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

Ole XPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

6. 'पिलर ऑफ शेम': स्मारक कहाँ स्थित है?

हाल ही में, हांगकांग के सबसे पुराने विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए बीजिंग के तियानमेन स्कायर इमारत में मारे गए लोगों की याद में बनी हुई एक प्रतिमा को नष्ट करने के लिए रातोंरात एक अभियान शुरू किया।

पिलर ऑफ़ शेम के बारे में:

- "पिलर ऑफ शेम" 8-मीटर (26-फीट) ऊंची मूर्तियों की एक श्रृंखला है, जिसका निर्माण जेन्स गैल्सचियोट द्वारा किया गया है।
- यह 1997 से हांगकांग विश्वविद्यालय (HKU) परिसर में बनाया गया है। उसी वर्ष, पूर्व ब्रिटिश कॉलोनी, हांगकांग को वापस चीन को सौंप दिया गया था।
- प्रतिमा में 50 पीड़ित चेहरे और उत्पीड़ित शरीर हैं। इन शवों को एक दूसरे पर ढेर कर दिया गया है।
- यह लोकतंत्र के प्रदर्शनकारियों को याद करता है, जिन्हें 1989 में तियानमेन स्कायर में चीनी सैनिकों द्वारा मार दिया गया था।
- प्रत्येक प्रतिमा कांस्य, तांबे या कंक्रीट की बनी है।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

OleXPERT
ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

इस मूर्ति का उद्घाटन कब और कहाँ हुआ था?

- 1996 में, रोम में एफएओ शिखर सम्मेलन के एनजीओ फोरम में इस मूर्तिकला का उद्घाटन किया गया था।
- तब से, हांगकांग, मैक्सिको और ब्राजील में तीन और स्तंभ बनाए गए हैं।
- 2002 में बर्लिन में पांचवीं प्रतिमा स्थापित करने की योजना बनाई गई थी। हालांकि, विभिन्न मुद्दों के कारण योजना सफल नहीं हुई है।

हांगकांग की रीमोल्डिंग:

- वर्तमान में, चीन दो वर्ष पहले लोकतंत्र के विरोध के बाद हांगकांग को अपनी सत्तावादी छवि में परिवर्तित कर रहा है।
- इस प्रकार, त्यानआनमेन का स्मरणोत्सव प्रभावी रूप से अवैध हो गया है।
- अक्टूबर 2021 में, विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने नए कानूनी जोखिमों को उजागर करते हुए, मूर्तिकला को हटाने का आदेश दिया था।

निराकरण संचालन:

हाल ही में, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने पुष्टि की कि रात भर के ऑपरेशन में प्रतिमा को हटा दिया गया था। ऑपरेशन पूरा करने के बाद इसे स्टोरेज में रखा गया है।

OleXPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

7. 'इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम' क्या है?

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने डासना, गाजियाबाद में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर भारत का पहला "इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम" लॉन्च किया।

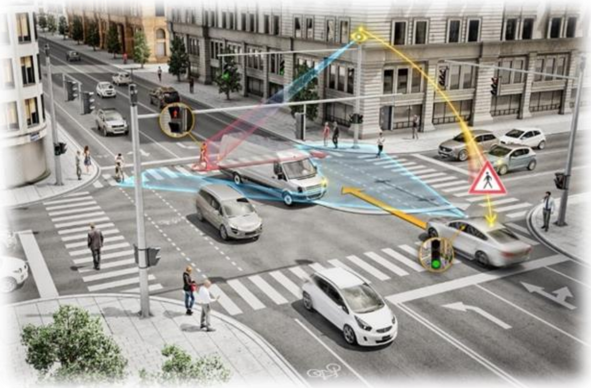

महत्वपूर्ण तथ्य:

- इस प्रणाली को यातायात संकट को कम करने और यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है।
- इस अवसर पर, मंत्री ने कहा कि, भारत को अपनी सड़क इंजीनियरिंग में सुधार करने की आवश्यकता है, क्योंकि प्रति वर्ष भारत में 5 लाख दुर्घटनाओं में लगभग 1.5 लाख लोग मारे जाते हैं।

एक्सप्रेसवे पर इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आईटीएस):

- आईटीएस एक क्रांतिकारी अत्याधुनिक तकनीक है। यह कुशल बुनियादी ढांचे के उपयोग को बढ़ावा देकर, यातायात की समस्याओं को कम करके, यातायात के बारे में पूर्व सूचना के साथ उपयोगकर्ताओं को समृद्ध करके, यात्रा के समय को कम करके और यात्रियों की सुरक्षा और आराम को बढ़ाकर यातायात दक्षता प्राप्त करेगा।

- यह प्रणाली किसी भी दुर्घटना का पता लगा सकती है और यह सुनिश्चित करने के लिए अलर्ट प्राप्त कर सकती है कि एम्बुलेंस 10-15 मिनट के भीतर दुर्घटना स्थल पर पहुंच जाए।

मेरठ और मुजफ्फरनगर में राजमार्ग परियोजना:

- इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने उत्तर प्रदेश के मेरठ और मुजफ्फरनगर में 240 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी।
- इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 9,119 करोड़ रुपये है। मंत्री के अनुसार, इन परियोजनाओं से किसानों के लिए अपनी फसल को बाजार तक ले जाना सरल हो जाएगा, और इस तरह उनकी आर्थिक स्थिति भी सुधरेगी।

पूर्वी परिधीय एक्सप्रेसवे (ईपीई):

- कुंडली-गाजियाबाद-पलवल एक्सप्रेसवे को "पूर्वी परिधीय एक्सप्रेसवे" कहा जाता है।
- यह 135 किमी लंबा, 6-लेन चौड़ा एक्सप्रेसवे है जो हरियाणा और उत्तर प्रदेश से होकर गुजरता है।
- यह सोनीपत के कुंडली में वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से शुरू होता है और उत्तर प्रदेश में बागपत, गाजियाबाद और नोएडा और हरियाणा के फरीदाबाद जिले से होकर गुजरता है।
- यह अंत में पलवल में धोलागढ़ के पास वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से जुड़ता है। मार्च 2006 में, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे को नेशनल एक्सप्रेसवे 2 (NE-2) के रूप में घोषित किया गया था।

Ole XPERT ONLINE LEARNING WITH EXPERTS

8. एड-टेक प्लेटफॉर्म का उपयोग करने पर शिक्षा मंत्रालय के सावधानी:

हाल ही में, भारत के शिक्षा मंत्रालय ने शिक्षा प्रौद्योगिकी (एडटेक) प्लेटफार्मों पर एक सावधानी परामर्श जारी किया, जिसमें कहा गया है कि कुछ फर्म, इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर (ईएफटी) जनादेश या ऑटो-डेबिट सुविधा को सक्रिय करने पर उनकी सहमति प्राप्त करके कई परिवारों को अपना निशाना बना रही है।

प्रमुख तथ्य:

- यह एडवाइजरी तब जारी की गई, जब स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग को इस तरह के प्रस्तावों के बारे में कई शिकायतें मिलीं।
- एड-टेक में ऑटो डेबिट फीचर के कारण लोगों के पैसे डूबने की खबरें आई थीं।

दिशा निर्देश क्या हैं?

- मंत्रालय ने अभिभावकों, छात्रों और स्कूली शिक्षा में सभी हितधारकों को ऑनलाइन सामग्री और कोचिंग का चयन करते समय सावधान रहने को कहा है।

- इसमें माता-पिता से प्रीमियम मॉडल में सदस्यता शुल्क का भुगतान करने के लिए स्वचालित डेबिट विकल्प से बचने के लिए भी कहा।
- ऐसा इसलिए है, क्योंकि कुछ एड-टेक कंपनियां "फ्री-प्रीमियम बिजनेस मॉडल" की पेशकश करती हैं, जिसमें उनकी बहुत सारी सेवाएं पहली बार में मुफ्त प्रतीत होती हैं, लेकिन निरंतर सीखने के लिए, छात्रों को एक सशुल्क सदस्यता का विकल्प चुनने की आवश्यकता होती है।
- ऑटो-डेबिट सक्रियण के कारण, बच्चा यह एहसास किए बिना भुगतान की गई सुविधाओं का उपयोग करना प्रारंभ कर देता है कि वह अब एड-टेक कंपनी द्वारा दी जाने वाली मुफ्त सेवाओं तक नहीं पहुंच रहा है।
- मंत्रालय ने नागरिकों से नियम और शर्तों को पढ़ने के लिए भी कहा, क्योंकि उनके आईपी पते और व्यक्तिगत डेटा को ट्रैक किया जा सकता है।
- उपयोगकर्ताओं को एडटेक कंपनी की पूरी तरह से पृष्ठभूमि की जांच करनी चाहिए, साथ ही सामग्री या पेनड्राइव लर्निंग या ऐप खरीदारी से भरे शैक्षिक उपकरणों की खरीद के लिए टैक्स चालान विवरण मांगना चाहिए।
- उपयोगकर्ताओं को अपने डेटा जैसे ईमेल, संपर्क नंबर, पते, कार्ड विवरण आदि को ऑनलाइन जोड़ने से बचने के लिए कहा गया है क्योंकि डेटा बेचा जा सकता है या बाद में घोटाले के लिए उपयोग किया जा सकता है।

सामग्री की गुणवत्ता:

मंत्रालय ने उपयोगकर्ताओं को एड-टेक कंपनियों द्वारा प्रदान की गई सामग्री की गुणवत्ता को खरीदने से पहले सत्यापित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है कि सामग्री पाठ्यक्रम और अध्ययन के दायरे के अनुरूप है।